राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड हनुमानगढ

नई आवासीय योजना, हनुमानगढ़ का संक्षिप्त विवरण

राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड हनुमानगढ़ की नई आवासीय योजना (डी.टी.ओ. कार्यालय के पास) लगभग 202 बीघा में संगरिया बाई पास रोड़ पर नियोजित है। इसमें से 22 बीघा भूमि में विभिन्न आय वर्ग के 484 स्वतंत्र आवास तथा 180 बीघा में विभिन्न आय वर्ग के 3540 (जी+2) फ्लैट्स नियोजित है जिसमें 484 स्वतंत्र आवासों का निर्माण पूर्ण कर सभी मूलभूत सुविधाएं (बिजली, पानी, सीवर आदि) उपलब्ध है एवं 3540 (जी+2) फ्लैट्स में से 828 फ्लैट्स का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 84 आवास/फ्लैट्स का कब्जा आवंटियों को दिया जा चुका है। इस योजना में सभी मूलभूत सुविधाओं हेतु जगह नियोजित है। इस योजना में 100 फुट, 80 फुट, 60 फुट, 40 फुट व 30 फुट चौड़ी सड़के हैं।

योजना के दक्षिण दिशा में हनुमानगढ़ बठिंडा रेल लाईन है। उत्तर दिशा में संगरिया बाई पास है। इस बाई पास से हरियाणा, श्रीगंगानगर, सूरतगढ़ व अबोहर से सीधा जुड़ाव है। योजना से बस स्टैण्ड व रेलवे स्टेशन मात्र 3.50 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। योजना से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर हनुमानगढ़ का एक मात्र सेन्ट्रल पार्क विकसित है। योजना के लगते ही उत्तर दिशा में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। योजना के 2 किलोमीटर के दायरे में स्कूल, सेन्ट्रल स्कूल, कॉलेज व पॉलिटेक्निक कॉलेज संचालित है।

राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड हनुमानगढ

पुरानी आवासीय योजना, हनुमानगढ़ का संक्षिप्त विवरण

राजस्थान आवासन मण्डल खण्ड हनुमानगढ़ की पुरानी आवासीय योजना का कार्य वर्ष 1982 में शुरू किया गया था। इस योजना में अब तक विभिन्न आय वर्ग के 3018 आवासों का निर्माण सैक्टर 1 से 10 तक किया गया है।

यह कॉलोनी सूरतगढ़ रोड़ एवं श्रीगंगानगर रोड़ के मध्य एवं रेलवे स्टेशन से मात्र 2.5 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। यह कॉलोनी मिनि सचिवालय से मात्र 1.5 किलोमीटर दूर होने के कारण आवंटियों को इसका भरपूर लाभ मिलता है। कॉलोनी में सभी 10 सैक्टरों में पार्क विकसित किये गये है साथ ही योजना में विद्यालय एवं औषधालय एवं शॉपिंग सेन्टर के लिए भूमि नियोजित है। इसके साथ ही योजना में सामुदायिक केन्द्र का निर्माण भी किया गया है जिससे कॉलोनी निवासियों को काफी लाभ मिल रहा है। उक्त कॉलोनी के सभी 10 सैक्टरों को रख–रखाव हेतु नगर परिषद् हनुमानगढ़ को हस्तांतरित किया जा चुका है।